mendations of Indian Olympic Association and consideration of merits of each case as brought out by IOA.

मूंगफली के उत्पादन में वृद्धि करने के उपाय

*18. **श्री राम लाल राही :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में, मूंगफली के उत्पादन में गिरावट आयी है ;

(ख) वर्ष 1980 से 1983 तक की अवधि के दौरान वर्ष-वार और राज्य-वार मूंगफली का उत्पादन प्रति हैक्टर कितना था ;

(ग) यदि हां, तो सरकार ने इसके उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या कार्यवाही की है ; और

(घ) यदि कोई कार्यवाही नहीं की गयी है, तो इसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्री (राव बीरेन्द्र सिंह) : (क) देश में मूंगफली के उत्पादन में उन वर्षों, जिसमें मौसम की स्थिति प्रतिकूल थी, को छोड़कर काफी वृद्धि हुई है। उत्तर प्रदेश में क्षेत्र की कमी होने के कारण हाल ही के वर्षों में उत्पादन में कमी आयी है परन्तु 1983-84 में उत्पादकता गत वर्ष से अधिक रही है।

(ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

(ग) और (घ) मूंगफली के उत्पादन में वृद्धि करने के लिए अनेक केन्द्रीय प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है। 1980-81 से गुजरात में 35 करोड़ रुपए के परिव्यय से मूंगफली विकास की एक विशेष परियोजना चल रही है। 1980-81 में उत्तर प्रदेश सहित 9 अन्य सम्भाव्य राज्यों में गहन तिलहन विकास कार्यक्रम, जिसमें मूंगफली भी शामिल है, शुरू किया गया था। 1984-85 में भारत सरकार से 100 प्रतिशत वित्तीय सहायता से एक वृहत राष्ट्रीय तिलहन विकास परियोजना क्रियान्वयन के लिए शुरू की गई है। इस परियोजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में मूंगफली के विकास की विधिवत व्यवस्था की जाती है।

विवरण

1980-81 से 1983-84 के दौरान मूंगफली की प्रति हैक्टार उपज को दर्शाने वाला विवरण

(किलोग्राम/हैक्टार)

राज्य	1980-81	1981-82	1982-83 (अन्तिम)	1983-84 (अस्थायी)
आन्ध्र प्रदेश	660	990	737	1041
गुजरात	774	996	638	864
कर्नाटक	581	755	656	885
महाराष्ट्र	733	843	945	1027
उड़ीसा	1340	1352	1420	1368
तमिलनाडु	862	1222	940	1011
उत्तर प्रदेश	701	971	613	643
अखिल भारत	736	972	756	947